सुविचार

पहचान बड़े लोगों से नहीं
बल्कि समय पर साथ खड़े होने वाले
लोगों से होनी चाहिए।

अंतर्कथा

खबरों की विश्वसनीयता हमारी पहचान...

अंतर्कथा | वर्ष 27, अंक 115 | Web :- www.antarkatha.com | Youtube:- antarkatha news | शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | पेज- 1

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, राज्यों को खनिज और खदानों की भूमि पर टैक्स लगाने का अधिकार है

इस फैसला, से बंगाल, झारखंड और एमपी समेत 6 राज्यों को होगा फायदा

अंतर्कथा प्रतिनिधि

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने खदान, खनिज संपन्न राज्यों को भारी राजस्व के प्रोत्साहन वाला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने आठ-एक के बहुमत से दिये फैसले में कहा है कि राज्यों को खदानों और खनिज वाली भूमि व खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार है।

राज्यों के पास ऐसा करने की विधायी क्षमता और शक्ति है। शीर्ष अदालत ने खनिज, खदानों के मामले में कर व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव वाले फैसल में कहा है कि रॉयल्टी को कर नहीं माना जा सकता। इस फैसले से खनिज, खदान संपन्न राज्य ओडीशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान को फायदा होगा। हालांकि फैसले को पूर्व प्रभाव से लागू माना जाएगा या फैसले की तारीख से लागू माना जाएगा इस पर कोर्ट बुधवार को सुनवाई करेगा।

'रॉयल्टी कर की प्रकृति में नहीं आती'

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने स्वयं और सात अन्य न्यायाधीशों की ओर से बहुमत का फैसला पढ़ते हुए कहा कि रॉयल्टी कर की प्रकृति में नहीं आती क्योंकि यह खनन पट्टे के लिए पट्टेदार द्वारा भुगतान किया गया एक संविदात्मक प्रतिफल है। यानी खनन का पट्टा या ठेका लेने के बदले दिया जाने वाला भुगतान होता है। कोर्ट ने कहा कि रॉयल्टी और डेड रेंट (खनिज भूमि की तय न्यूनतम राशि जिसका भुगतान खनन पट्टा लेने वाला सरकार या भूस्वामी को करता है) दोनों ही टैक्स की विशेषताओं को पूरा नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिये बहुमत के फैसले में 1989 के इंडिया सीमेंट मामले में रायल्टी को टैक्स मानने की व्यवस्था देने वाले फैसले को खारिज कर दिया है।

राज्यों को खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार

बहुमत के इस फैसले को अगर बहुत साधारण शब्दों में समझा जाए तो अर्थ निकलता है कि राज्यों को खनिज अधिकारों और खदानों की भूमि पर कर लगाने का अधिकार है। खदान एवं खनिज (विकास एवं नियमन) कानून 1957 की धारा 9 के तहत लगने वाली रॉयल्टी टैक्स नहीं है उसकी प्रकृति टैक्स की नहीं होती। यानी इससे राज्य सरकार का टैक्स लगाने का अधिकार प्रभावित नहीं होता न ही सीमित होता है।

केंद्रीय कोयला मंत्री ने किया अग्नि और भू धंसान क्षेत्र का दौरा, कहा- पीएम का दूत बनकर आए हैं, जल्द दूर होगी समस्या

अंतर्कथा प्रतिनिधि

धनबाद : केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने धनबाद के अग्नि प्रभावित और भू धंसान क्षेत्र का दौरा किया. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने सिजुआ बांसजोड़ा में प्रभावित लोगों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने जल्द ही उनकी समस्या दूर करने का भरोसा दिया.

कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी गुरुवार को धनबाद पहुंचे. उनके द्वारा जिला के अग्नि प्रभावित और भू धंसान क्षेत्र का दौरा किया गया. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने सिजुआ बांसजोड़ा में मंच से अग्नि

प्रभावित और भू धंसान क्षेत्र में रह रहे लोगों की बातों को सुना. कोयला मंत्री ने लोगों संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वो दूत बनकर आए हैं, लोगों की समस्याएं जल्द दूर किया जाएगा. धनबाद में लोगों को संबोधित करते हुए कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने अपने संबोधन में लोगों से कहा कि प्रधानमंत्री मंत्री के आदेश पर धनबाद आपका हाल जानने पहुंचा हूं. कोयला मंत्री बने हुए एक महीना हो गये हैं. मैं भी गांव का रहने वाला हूं, मैं किसान परिवार से हूं और किसान का बेटा हूं. अग्नि प्रभावित और भू धंसान क्षेत्र में बसे लोगों से उन्होंने कहा कि आप लोगों की जो समस्या है, वह आज की नहीं है. यह समस्या पिछले एक सौ साल की है, ब्रिटिश काल से ही यह समस्या बनी हुई है, कई लोग जलती हुई कोयले के आसपास रहते हैं, वह अपनी जिंदगी गुजर बसर करते हैं. उनका स्वास्थ्य भी खराब होते रहता है, लेकिन अबतक इसका हल नहीं हुआ है.

केंद्रीय कोयला जी किशन रेड्डी ने कहा कि एक मिशन मोड में इस समस्या को हल करने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है. इसी तहत मैंने सभी का हाल चाल जाना. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ भी बातचीत करेंगे. सभी लोगों की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है, उनकी सेवा करना हमारी जिम्मेदारी है, हम अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे.

बिहार विधानसभा में CAG की रिपोर्ट पेश

अधिकारियों की लापरवाही की खुली पोल, 44 हजार 823 करोड़ का राजकोषीय घाटा

अंतर्कथा प्रतिनिधि

पटना: बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है. आज गुरुवार 25 जुलाई को उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 31 मार्च 2023 समाप्त हुए वर्ष का कैग रिपोर्ट पेश की. कैग ने अपनी रिपोर्ट में बिहार का राजकोषीय घाटा 2018- 19 में 13806.76 करोड़ था जो जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) का 2.62% है 2022-23 में बढ़कर 44823.30 करोड़ और जीएसडीपी का 5.97% हो गया इसका जिक्र किया है. कैग ने 31 मार्च 2023 तक 87947.8 करोड़ के 41755 उपयोगिता प्रमाण नहीं मिलने की बात भी कही है. कितना राजस्व संग्रहण हुआः महालेखा परीक्षक ने रिपोर्ट में यह भी कहा है 31 मार्च 2023 तक 7489.05 करोड़ के 27392 एसी बिल डीसी बिल जमा करने के लिए लंबित है. जिसमें से 6450.17 करोड़ के 26574 एसी बिल 2021-22 के अवधि से संबंधित है.

विधायक अब्बास अंसारी की जमानत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मांगा जवाब

अंतर्कथा प्रतिनिधि

प्रयागराज। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से एमएलए अब्बास अंसारी की जमानत याचिका पर जवाब मांगा. अब्बास अंसारी ने उस मामले में जमानत मांगी है, जिसमें उनके पर आरोप है कि उन्होंने जेल में रहने के दौरान अपनी पत्नी का मोबाइल फोन इस्तेमाल किया और कई लोगों को वसूली के लिए धमकाया. अब्बास अंसारी की पत्नी मुलाकात के लिए जेल जाती थी. मऊ विधायक अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंड पीठ के 1 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है. इसमें अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी. फरवरी 2023 में इस केस की एफआईआर दर्ज हुई थी. इसमें आरोप लगा है कि अब्बास अंसारी की पत्नी नियमों का उल्लंघन करके अक्सर जेल में उनसे मिलने जाती थीं. अंसारी की पत्नी का ड्राइवर जेल अधिकारियों की मदद से जेल से अब्बास अंसारी को भागने की साजिश कर रहा था. अब्बास अंसारी की याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने सुनवाई की.

नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की नौंवी बैठक शनिवार को, जनता से जुड़े मुद्दों पर होगी चर्चा; नदारद रहेगा विपक्ष

अंतर्कथा प्रतिनिधि

नई दिल्ली। नीति आयोग की नौवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में पीने का पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और जमीन व संपत्ति जैसे आम जनता के रोजमर्रा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी, लेकिन विपक्ष शासित राज्य इसका हिस्सा नहीं होंगे। आम जनता के जीवन को सरल बनाने के लिए इन मुद्दों को मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में चिह्नित किया गया था, जिसका विस्तृत रोडमैप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अध्यक्षता में 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में तय किया जाएगा।

2047 तक विकसित भारत

के लक्ष्य के साथ आम आदमी के जीवन के सुगम बनाने के लिए होने वाली नीति आयोग की इस शीर्ष बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया था, लेकिन विपक्षी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसमें हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। जाहिर है विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्री इन मुद्दों पर अपने-अपने राज्यों में आम जनता से जुड़ी कठिनाइयों को दूर करने के लिए अहम सुझाव देने से वंचित रह जाएंगे।

इन राज्यों के सीएम ने किया बैठक का बहिष्कार

कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, पंजाब जैसे विपक्ष शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हिस्सा नहीं लेने का ऐलान कर दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अभी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। पहले ममता के बैठक में शामिल होने की खबरें थी, लेकिन माना जा रहा है कि उन पर दबाव है।

नीति आयोग के अनुसार भारत जल्द ही पांच ट्रिलियन जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह है और 2047 तक इसे 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित प्रयास की जरूरत होगी।

झारखंड में चुनाव से पूर्व चला स्पीकर का डंडा,दो विधायकों की सदस्यता रद्द

अंतर्कथा प्रतिनिधि

रांची: झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले स्पीकर रवींद्रनाथ महतो ने 2 विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी है. जिन विधायकों की सदस्यता रद्द की गई है, उनमें एक विधायक सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा और एक विधायक भारतीय जनता पार्टी के हैं. विधानसभा सचिवालय के मुताबिक स्पीकर ने बोरियो से झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम और मांडू से बीजेपी विधायक जेपी पटेल की

सदस्यता दल बदल कानून के तहत रद्द कर दी है. जेपी चुनाव से पहले बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए थे, जबकि लोबिन ने लोकसभा चुनाव में जेएमएम के आधिकारिक प्रत्याशी के खिलाफ पर्चा दाखिल किया था.

शिबू सोरेन और अमर बाउरी ने की थी शिकायत

लोकसभा चुनाव के बाद जेपी पटेल की शिकायत विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और लोबिन हेम्ब्रम की शिकायत झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन ने की थी. इसके बाद दोनों के खिलाफ स्पीकर कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई थी.

सुनवाई के दौरान लोबिन ने कहा था कि मैं बागी हूं, इसका कोई आधार पार्टी के पास नहीं है. वहीं जेपी ने खुद को बीजेपी नेता बताते हुए कहा था कि अखबार की कतरनों पर भरोसा न करे. बीजेपी ने व्हिप जारी ही नहीं किया है, तो मैं विरोध में कैसे हो गया?

जेपी की इस दलील पर बाउरी ने कहा था कि जो विधायक किसी दूसरी पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ सकता है, वो दलबदल कैसे नहीं हुआ? बाउरी ने जेपी के खिलाफ चुनाव आयोग की रिपोर्ट पेश की, जिसमें वे कांग्रेस के सिंबल पर मैदान में थे.

मांडू और बोरियो सीट का समीकरण

हजारीबाग की मांडू सीट पर 2019 के विधानसभा चुनाव में जय प्रकाश पटेल ने आजसू के निर्मल महतो को हराया था. जेपी को यह सीट विरासत में मिली है. उनके पिता टेक लाल महतो भी यहां से विधायक रहे हैं. टेक लाल महतो झारखंड के दिग्गज नेता थे.

बात बोरियो की करें तो यह साहेबगंज जिले की विधानसभा सीट है. इसी जिले की बरेहट सीट से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधायक हैं. झारखंड बनने के बाद लोबिन यहां से 3 बार विधायक बन चुके हैं.

हादसा, क्रेन के हुक-रोप में फंसा मजदूर का हाथ, 2 अंगुली लहूलुहान

अंतर्कथा प्रतिनिधि

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड-सेल के बोकारो स्टील प्लांट में हादसा हो गया है। हॉट स्ट्रिप मिल-एचएसएम में एक मजदूर की अंगुली क्रेन के पुली और रोप में फंस गई। गंभीर रूप से जख्म हुआ। प्राथमिक उपचार प्लांट मेडकल में किया गया। क्रेन के हुक से फंसी अंगुली को छुड़ाने में करीब आधे घंटे से अधिक का समय लगा। कर्मचारी-अधिकारी सभी जुटे रहे। एंगल काटकर किसी तरह हाथ को फ्री किया गया, तब तक दो अंगुली खून से लथपथ हो चुकी थी। अंगुली में फ्रैक्चर बताया जा रहा है।

स्टेशन परिसर से सात लोगों को पुलिस ने दबोचा

अंतर्कथा प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद रेलवे स्टेशन परिसर में श्रावणी मेला को लेकर आने वाले यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेल पुलिस अधीक्षक ने विशेष निगरानी रखने के लिए दिशा निर्देश जारी किया था। जिसको लेकर धनबाद स्टेशन के निर्देशन में स्टेशन पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में रेल पुलिस ने सात लोगों को कई सामानों के साथ पकड़ा है।

धनबाद के पुराना बाजार में चला निगम का बुलडोजर

अंतर्कथा प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद नगर निगम ने बुधवार को पुराना बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया. एक दिन पहले मंगलवार को ही इलाके में इसकी मुनादी कराई गई थी. संकरी हो चुकी पुराना बाजार की सड़क अतिक्रमण हटाने के बाद चौड़ी लगने लगी है.

अभियान के दौरान निगम को आम लोगों का भी सहयोग मिला. ज्ञात हो कि निगम की इंफोर्समेंट टीम ने मंगलवार को बाजार में 24 घंटे में अतिक्रमण हटाने की मुनादी कराई थी. निगम की टीम ने बुधवार को बुलडोजर चलाकर पुराना बाजार की करीब 40 दुकानों को तोड़ दिया, या फिर हटवा दिया. बुलडोजर देख

दुकानदारों ने अपने छज्जे उतार लिये. ठेले-खोमचे वाले भी हट गए. फ़ूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि जाम से जूझ रहे आम लोगों ने भी इस अभियान में काफी सहयोग किया है. मौके पर बैंक मोड़ पुलिस भी मौजूद थी. बुधवार को शहर के पुराना बाजार में 40 दुकानों का छज्जा टूटने के बाद बीच में ही अतिक्रमण हटाओ अभियान रुक गया. कुछ दुकानदारों की अपील पर छज्जा और शेड हटाने के लिए उन्हें दो दिन की मोहलत दी है. फूड इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि पुराना बाजार की सड़क 40 फीट चौड़ी है, लेकिन अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई है. नाले के ऊपर दुकानदार चौकी लगाकर अतिक्रमण कर रहे हैं. दुकान के बाहर शेड लगा दिया है. अभियान के बाद यदि दोबारा दुकानें लगीं, तो वैसे दुकानदारों पर जुर्माना के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. बाजार में पानी टंकी से रेलवे फाटक तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया.

'मैं यहां के लोगों से मिलने आया हूं. उनकी समस्याओं को जानने के लिए पहुंचा हूं' : रेड्डी

अंतर्कथा प्रतिनिधि

धनबाद : केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी धनबाद पहुंचे हैं. बरवाअड्डा एयरपोर्ट पर उनके हेलिकॉप्टर की लैंडिंग हुई. कोल इंडिया चेयरमैन और बीसीसीएल सीएमडी समेत तमाम अधिकारियों ने उनका स्वागत किया. हवाई अड्डा पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इसके बाद कोयला मंत्री अधिकारियों के साथ रवाना हो गए. कोयला मंत्री बीसीसीएल की परियोजनाओं का दौरा करेंगे. साथ ही अग्नि प्रभावित और भूधंसान क्षेत्र में रह रहे लोगों से रूबरू होंगे.

केंद्रीय कोयला मंत्री सबसे पहले सिजुआ का दौरा करेंगे. सिजुआ के बाद वह कुसुंडा झरिया की परियोजना का

दौरा करेंगे. झरिया अग्नि प्रभावित क्षेत्र से विस्थापित होकर बेलगड़िया टाउनशिप का भी कोयला मंत्री आज दौरा करेंगे. बेलगड़िया में बसे लोगों से वह रूबरू होंगे. उनकी समस्याओं को भी सुनेंगे. बीसीसीएल की कोयला नगर स्थित पंचवटी इको पार्क में पौधारोपण भी किया जाना है. कोयला मंत्री के इस इको पार्क में पौधा रोपण के साथ कोल इंडिया की सभी इकाईयों में आज से पौधा रोपण का कार्य शुरू होगा.

देश में कोकिंग कोल के बढ़ती मांग के मद्देनजर बीसीसीएल पर विशेष फोकस है. इसके लिए बीसीसीएल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी होगी. कैबिनेट के एजेंडे में झरिया पुनर्वास योजना शामिल है. एक बड़ी आबादी अग्नि प्रभावित और भूधंसान क्षेत्र में रहती है. विस्थापन और पुर्नावास कोयलांचल के लिए एक प्रमुख मुद्दा भी है. मीडिया से बातचीत के दौरान कोयला मंत्री ने कहा कि मैं यहां के लोगों से मिलने आया हूं. उनकी समस्याओं को जानने के लिए पहुंचा हूं.

झारखंड में विधानसभा चुनाव भी नजदीक है. ऐसे में कोयला मंत्री का धनबाद आना और अग्नि प्रभावित और भूधंसान क्षेत्र में बसे लोगों से मुलाकात को चुनाव से जोड़कर कई मायने भी लगाए जा रहे हैं. ऐसे में संभावना है कि विधानसभा चुनाव से पहले झरिया पुर्नावास योजना को मंजूरी मिल जाए.

झारखंड के 27 प्रवासी मजदूरों की वतन वापसी पर कल्पना सोरेन ने वीडियो कॉल पर कराई मुख्यमंत्री हेमंत से बात

अंतर्कथा प्रतिनिधि

गिरिडीह: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश एवं श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग की त्वरित पहल पर दक्षिण अफ्रीका के कैमरून के याउंडे में विनायक कंस्ट्रक्शन, फेस जेंडरमेरी, Apres Auditorium और जीन पॉल टू मबांकलो कंपनी में कार्यरत झारखंड के 27 श्रमिकों की बुधवार केा सवेरे सुरक्षित घर वापसी हो गई।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश एवं श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग की त्वरित पहल पर दक्षिण अफ्रीका के कैमरून के याउंडे में विनायक कंस्ट्रक्शन, फेस जेंडरमेरी, Apres Auditorium और जीन पॉल टू मबांकलो कंपनी में कार्यरत झारखंड के 27 श्रमिकों की बुधवार केा सवेरे सुरक्षित घर वापसी हो गई।

मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बैद्यनाथ राम, मंत्री बेबी देवी, विधायक कल्पना सोरेन और विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने श्रमिकों के गिरिडीह पहुंचने पर उनका स्वागत किया।

साथ ही सभी श्रमिकों को तत्काल 25-25 हजार रुपये की सहायता राशि दी। उन्होंने श्रमिकों से बात कर उनकी पूरी व्यथा को जाना।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भी मोबाइल की जरिए श्रमिकों से संवाद किया और उन्हें राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग मदद करने का आश्वासन दिया। श्रमिकों ने विकट परिस्थितियों में दक्षिण अफ्रीका से घर लौटने के लिए राज्य सरकार के पहल पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

यह है पूरा मामला

दक्षिण अफ्रीका में फंसे 27 श्रमिकों में बोकारो के 18, गिरिडीह के चार और हजारीबाग-पांच श्रमिक हैं। ये सभी श्रमिक इस वर्ष 29 मार्च से वहां काम कर रहे थे।

उन्होंने 16 जुलाई को एक्स हैंडल पर चार महीने से पारिश्रमिक बकाया रहने और वापस भारत लौटने की इच्छा जताई थी। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी प्राप्त होते ही श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग को आवश्यक पहल करने का निर्देश दिया।

साथ ही पीओई, रांची को सचिव, श्रम विभाग की ओर से मामले पर संज्ञान लेने के लिए पत्र भेजा गया। पत्र के माध्यम से कामगारों को उनका बकाया पारिश्रमिक और उनके सुरक्षित झारखंड वापसी किस दिशा में पहल करने को कहा था।

राज्य सरकार की पहल पर श्रमिकों की हुई वापसी

श्रम विभाग के तहत कार्यरत राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा एल एंड टी कंपनी से संपर्क कर निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द श्रमिकों के बकाया पारिश्रमिक का भुगतान किया जाय। इस संबंध में कोलकाता मुख्य कार्यालय से संपर्क कर पुन: कैमरून, दक्षिण अफ्रीका को मामले से अवगत कराया गया।

राज्य सरकार के इस पहल के बाद L&T कंपनी ने 17 जुलाई को सभी 27 श्रमिकों को तीन महीने के बकाया पारिश्रमिक के रूप में 30 लाख रुपये का भुगतान किया। श्रमिकों ने बकाया पारिश्रमिक मिलने की जानकारी वीडियो के माध्यम से राज्य सरकार को दी। कंपनी ने श्रमिकों को भारत वापस भेजने के लिए एयर टिकट की भी व्यवस्था की।

अब जामताड़ा नहीं रहा साइबर क्राइम करने वालों का ठिकाना, स्कैमर्स ने इस राज्य में बना लिया नया अड्डा

अंतर्कथा प्रतिनिधि

नयी दिल्ली : अब ठगों को पता चल गया है कि लोग क्रेडिट कार्ड, एटीएम ब्लॉक और शॉपिंग वेबसाइट के नाम पर उनका शिकार नहीं बन रहे हैं. इसलिए उन्होंने इसके लिए एक नया तरीका खोज निकाला है. अब जामताड़ा नहीं रहा साइबर क्राइम करने वालों का ठिकाना, स्कैमर्स ने इस राज्य में बना लिया नया अड्डा

हरियाणा बन रहा साइबर ठगों का गढ़

एक समय में जब किसी के साथ ऑनलाइन ठगी होती थी तो सबसे पहला शक जामताड़ा के ठगों पर जाता था. लेकिन अब जामताड़ा से ज्यादा ठग नूंह में हो गए हैं. नूंह हरियाणा का एक जिला है. इस जिले के गांवों में ठगों के कई गिरोह एक्टिव हैं. यहां ठगों का कोचिंग सेंटर भी चलता है. इन कोचिंग सेंटरों में फीस लेकर लोगों को ठगी के गुण सिखाए जाते हैं. चलिए इसके बारे में आपको विस्तार से बताते हैं.

ठगी की कोचिंग

एक खबर के अनुसार, नुंह के कई गांव ऐसे हैं जहां ठग ऐसे कोचिंग सेंटर्स चलाते हैं जहां ठगी के गुण सिखाए जाते हैं. ये कोचिंग सेंटर्स ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी चलाए जाते हैं. यहां एडमिशन के लिए छात्रों से 40 हजार से एक लाख रुपये तक की फीस वसूली जाती है. बीते दिनों हरियाणा पुलिस ने नूंह के ऐसे कई गांवों में छापा मारा और कई लोगों को गिरफ्तार किया. इसके अलावा अब पुलिस ठगी वाले इन कोचिंग संस्थानों को ध्वस्त करने में जुट गई है.

मेवात का इलाका भी ठगों का गढ़

नूंह के अलावा हरियाणा का ही एक इलाका और है मेवात. मेवात को भी ठगी का गढ़ माना जाता है. दरअसल, मेवात यूपी और राजस्थान के साथ बॉर्डर शेयर करता है, इसलिए ठग यहां सबसे ज्यादा एक्टिव रहते हैं. जैसे ही पुलिस की छापेमारी होती है ये ठग राजस्थान और यूपी में भाग जाते हैं. यहां के ठग ज्यादातर ठगी ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइटों के नाम से करते हैं. खासतौर से ओएलएक्स, फ्लिकार्ट और एमाज़ॉन का नाम लेकर ये ठग सबसे ज्यादा ठगी करते हैं.

ठगी का एक और नया तरीका निकला है

अब ठगों को पता चल गया है कि लोग क्रेडिट कार्ड, एटीएम ब्लॉक और शॉपिंग वेबसाइट के नाम पर उनका शिकार नहीं बन रहे हैं. इसलिए उन्होंने इसके लिए एक नया तरीका खोज निकाला है. अब ठग आपको फोन करते हैं और खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी या फिर कोई पुलिस अधिकारी बताते हैं. इसके बाद ये आप पर तरह-तरह के आरोप लगा कर आपको डराने की कोशिश करते हैं.

अब बचत खाते में जमा कर सकेंगे सिर्फ इतने पैसे,आयकर विभाग ने जारी किए गाइडलाइंस

अंतर्कथा प्रतिनिधि

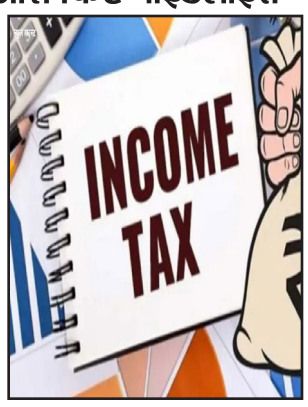

नयी दिल्ली : आज देश में हर व्यक्ति चाहे वह बच्चा हो, युवा हो, बुजुर्ग हो या महिला सभी के पास बचत खाता है, इस डिजिटल युग में लेन-देन के लिए आपके पास इसका होना जरूरी भी है लेकिन बचत खाते की भी एक सीमा होती है, उससे आगे बढ़कर जो आपके लिए हानिकारक हो सकता है, हाल ही में आयकर विभाग ने बचत खाते से संबंधित कुछ नए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

भारत में बचत खाता खोलने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, जिसके कारण कई लोग कई खाते रखते हैं। ये खाते पैसा जमा करने के लिए एक सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं, जहां बैंक जमा राशि पर ब्याज देते हैं। हालांकि, जुर्माना शुल्क से बचने के लिए, शून्य-शेष खातों को छोड़कर, न्यूनतम शेष राशि बनाए रखना आवश्यक है।

नकद जमा नियम

50,000 रुपये या उससे अधिक जमा करते समय आपको अपना पैन (स्थायी खाता संख्या) प्रदान करना होगा। प्रतिदिन 1 लाख रुपये तक कैश जमा किया जा सकता है। गैर-नियमित नकद जमाकर्ता बिना पैन के 2.50 लाख रुपये तक जमा कर सकते हैं। करदाताओं के लिए सभी खातों में प्रति वित्तीय वर्ष अधिकतम 10 लाख रुपये नकद जमा किए जा सकते हैं।

बदले गये 54 अंचल के CO, 24 बदोबस्त पदाधिकारियों का भी तबादला

अंतर्कथा प्रतिनिधि

रांची : राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर अंचल अधिकारियों का तबादला किया है. भू-राजस्व विभाग ने बुधवार की देर शाम इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है. रांची के मांडर , गुमला के चैनपुर , चतरा के प्रतापपुर , हजारीबाग के विष्णुगढ़, देवघर के देवीपुर समेत अन्य कई जिलों में पदस्थापित सीओ का तबादला किया गया है. इसके अलावा 24 बदोबस्त पदाधिकारियों की भी ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है|

भोलेनाथ का अनोखा भक्त, आंखों पर पट्टी बांधकर तय कर रहा देवघर का रास्ता

अंतर्कथा प्रतिनिधि

भागलपुर : सावन का पावन महीना चल रहा है और ऐसे में भगवान भोले को रिझाने के लिए भक्त तरह-तरह के भेष बनाकर देवघर को रवाना हो रहे हैं. ऐसा कहा जाता है कि सावन में भगवान भोले को जल अर्पण करने से सारी सुख समृद्धि मिल जाती है. अगर ज्योतिषाचार्य सौरभ मिश्रा की माने तो उनका कहना है कि भगवान भोले ने जो विषपान किया था सावन के महीने में उन पर जल अर्पण करने से भगवान भोले के ऊपर से विष की शक्ति भी खत्म होती है. भगवान भोले का मस्तिष्क ठंडा रहता है, लेकिन भक्तों का मानना है कि भगवान भोले को सावन के माह में जलार्पण करने से भगवान भोले अति प्रसन्न होते हैं. सावन का महीना काफी पावन महीना माना जाता है.

सावन में अलग अलग रूप में कावंरिया सुल्तानगंज में देखने को मिल जाएंगे. कोई स्वयं शिव का वेश धारण किए, तो कोई अपने गाड़ी को बसहा बनाकर तो कई रूप में भक्त अभी नजर आते हैं. ऐसे में ही कच्ची कांवरिया पथ पर भगवान भोले के एक ऐसे भक्त मिले जिन्हें भगवान भोले से गजब का प्रेम है.

हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि भगवान भोले के प्रति उनका ऐसा समर्पण की वह पूरा रास्ता बिना देखे (आंखों पर पट्टी बांधकर) भोले बाबा को जल अर्पण करने हेतु निकल पड़े हैं. जब इसको लेकर खगड़िया के चौथंभ से आए श्रद्धालु सुधांशु बम से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह भगवान भोले के प्रति हठ योग है. भगवान भोले से मैंने अर्जी लगाई थी वह अर्जी मेरी पूरी हो गई जिसके बाद हम अपने आंख में पट्टी लगाकर बाबा भोले का दर्शन करने निकल पड़े हैं. उन्होंने कहा कि मैं प्रत्येक पूर्णिमा भगवान भोले को जलार्पण करने हेतु जाता हूं.

दुनिया की पांच सबसे बड़ी कोयला खानों में से दो कोल इंडिया की

अंतर्कथा प्रतिनिधि

नई दिल्ली : वर्ल्ड एटलस डॉट कॉम की ओर से विश्वक की 10 सबसे बड़ी कोयला खानों की सूची जारी की गई है। इसमें दो कोल इंडिया की है। छत्तीसगढ़ स्थित कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा और कुसमुंडा कोयला खानों को क्रमश: दूसरा और चौथा स्थान प्राप्तल हुआ है।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित ये दोनों खानें प्रतिवर्ष 100 मिलियन टन से अधिक कोयला का उत्पासदन करती

हैं, जो भारत के कुल कोयला उत्पादन का लगभग 10 प्रतिशत है।

गेवरा ओपनकास्ट खान की वार्षिक उत्पादन क्षमता 70 मिलियन टन है। इसने वित्त वर्ष 2023-24 में 59 मिलियन टन कोयले का उत्पानदन किया। इस खान ने वर्ष 1981 में कार्य शुरू था। आज इसमें देश की अगले 10 वर्षों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोयला भंडार मौजूद है।

कुसमुंडा ओपनकास्ट0 खान ने वित्त वर्ष 2023-24 में 50 मिलियन टन से अधिक कोयला उत्पादन किया, जो गेवरा के बाद ऐसी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की दूसरी खान है।

इन खानों में विश्वग की कुछ सबसे बड़ी और अधिक उन्नत खनन मशीनें तैनात गई हैं। ऐसी ही मशीन 'सरफेस माइनर' है, जो पर्यावरण अनुकूल खनन कार्यों के लिए विस्फोट किए बिना ही कोयला निकालती और काटती है।

ओवरबर्डन हटाने (कोयला परत को उजागर करने के लिए मिट्टी, पत्थर आदि की परतों को हटाने की प्रक्रिया) के लिए खानों में पर्यावरण अनुकूल और विस्फोट मुक्त ओबी हटाने के लिए दुनिया की कुछ सबसे बड़ी एचईएमएम (भारी पृथ्वी मूविंग मशीनरी) जैसे 240 टन डंपर, 42 घन मीटर शॉवल और वर्टिकल रिपर्स का उपयोग भी किया जाता है।

एसईसीएल के अध्य क्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. प्रेम सागर मिश्रा ने न्यूज़ फास्ट से बताया कि छत्तीसगढ़ के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि विश्व. की पांच सबसे बड़ी कोयला खानों में से दो अब छत्तीसगढ़ में स्थित हैं। श्री मिश्रा ने कोयला मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राज्य सरकार, कोल इंडिया, रेलवे, विभिन्न हितधारकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से कोयला योद्धाओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने के लिए अथक रूप से कार्य किया है।

लाठीचार्ज में घायल JBKSS नेता देवेंद्र नाथ महतो दिल्ली रेफर

अंतर्कथा प्रतिनिधि

रांची: सहायक पुलिसकर्मियों पर हुए लाठीचार्ज में घायल JBKSS नेता देवेंद्र नाथ महतो को रांची RIMS से बेहतर इलाज के लिए कल बुधवार को दिल्ली रेफर किया गया है।

बताते चलें स्थायीकरण, मानदेय बढ़ोतरी एवं अन्य मांगों के आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो पर पुलिस प्रशासन ने क्रूरता पूर्वक लाठीचार्ज किया गया था। इस लाठी चार्ज में देवेंद्र नाथ महतो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसके बाद पिछले 6 दिनों से उनका इलाज रिम्स में चल रहा था।

लालपुर थाना केस कांड संख्या-185/24 से देवेंद्रनाथ महतो सहित कुल अज्ञात 1500 पर गैर जमानती धाराएं दर्ज किया गया है।

1500 आंदोलनकारियों के खिलाफ केस दर्ज

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री आवास का घेराव मामले में JBKSS के नेता देवेंद्रनाथ महतो सहित 1500 आंदोलनकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इन सभी पर गैर जमानती धाराएं लगाई गयी हैं।

मिली खबर के मुताबिक इन धाराओं में हत्या के प्रयास, राज्य सरकार के खिलाफ उसकाने, सरकारी काम में बाधा डालने एवं तोड़फोड़ जैसी धाराएं लगाई गई हैं।

मैथिली ठाकुर की गीत अब अजय देवगन के फ़िल्म 'औरों में कहां दम था' में सुनाई देगी

अंतर्कथा प्रतिनिधि

मधुबनी (बिहार) : गायिका मैथिली ठाकुर आज 25 जुलाई को अपना जन्मदिन मना रही हैं। मैथिली किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अपनी सुरीली आवाज के लिए मशहूर मैथिली अपने भजन और लोकगीतों से दिल जीत लेती हैं। मैथिली अपनी मेहनत के जरिए यहां तक पहुंची हैं, लेकिन कहा जाए कि उन्हें सफलता की सीढ़िया चढ़ाने में सोशल मीडिया की भी भूमिका रही है तो गलत नहीं होगा।

तकनीक के उभरते दौर में जब लोगों ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे मंचों पर दस्तक दी तो मैथिली ठाकुर ने इस मंच पर भजन गायन से प्रशंसकों का अच्छा आधार बना लिया।

एनएफ मूल रूप से बिहार से हैं मैथिली

मैथिली का आज 24वां जन्मदिन है। मूल रूप से वह

बिहार से हैं। उनका जन्म 25 जुलाई 2000 को बिहार के मधुबनी जिले के छोटे से गांव बेनीपट्टी में हुआ।

मैथिली को बचपन से ही संगीत के सुरों का साथ मिलने लगा। उनके पिता पेशे से संगीत के शिक्षक हैं। मैथिली के दोनों भाई- ऋषभ ठाकुर और अयाची ठाकुर भी संगीत में अच्छे-खासे जानकार हैं।

सिंगिंग रियलिटी शो में मिला मौका

मैथिली ठाकुर कई सिंगिंग रियलिटी शो का भी हिस्सा रही हैं। पहली बार उन्होंने लिटिल चैंप्स में जगह बनाई, लेकिन वह शो का हिस्सा नहीं बन सकीं। इसके बाद उन्होंने छह और रियलिटी शो में ऑडिशन दिए, लेकिन बार-बार नाकामयाबी हाथ लगी।

उनकी सफलता 2017 में रियलिटी शो 'राइजिंग स्टार इंडिया' के साथ आई, जहां उन्होंने अपनी असाधारण प्रस्तुति से दर्शकों और जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक लोक गीतों की उनकी प्रस्तुति ने उन्हें सिंगिंग स्टार्स में एक अलग दर्जा दिया।

'औरों में कहां दम था' में गाएंगी गाना

मैथिली ठाकुर ने अपने पिता और दोनों भाईयों के साथ श्रीराम भजन और लोकगीत गाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने शुरू किए, जिन्हें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। मैथिली का अपना यूट्यूब चैनल भी है, जिस पर 46 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। मैथिली ने अब बॉलीवुड का रुख किया है। उन्होंने अजय देवगन और तब्बू की आगामी फिल्म 'औरों में कहां दम था' का 'किसी रोज' गाना गाया है। यह फिल्म 2 अगस्त को रिलीज होगा |

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक विनोद आनंद (विनोद कुमार मंडल) के लिए सहयोग प्रिंटर्स एंड पब्लिकेशन, रतनपुर, पो-गोविन्दपुर, जिला - धनबाद, झारखंड, पिन- 828109 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक-'विनोद आनंद, कार्यालय-रतनपुर, पो गोविन्दपुर, जिला-धनबाद, झारखंड - 828109, (पी आर बी के तहत खबर चयन के लिए जिम्मेवार), आरएनआई पंजीयन संख्या 68458/98